CAREERINDIA

Series : SMA/1

कोड नं.
Code No. **29/1/2**

रोल नं.
Roll No. 9 7 1 5 0 [redacted]

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

अरे ! चाटते जूठे पत्ते जिस दिन देखा मैंने नर को
उस दिन सोचा : क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनिया भर को ?
यह भी सोचा : क्यों न टेंटुआ घोटा जाय स्वयं जगपति का ?
जिसने अपने ही स्वरूप को रूप दिया इस घृणित विकृति का ।
जगपति कहाँ ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समता-संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी ?
छोड़ आसरा अलखशक्ति का, रे नर, स्वयं जगत्पति तू है,

तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो मुझ पर लानत है, थू है ।

ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मजलूम, अरे चिर दोहित,

तू अखण्ड भंडार शक्ति का, जाग और निद्रा-सम्मोहित,

प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर दे,

अनाचार के अम्बारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे ।

भूखा देख तुझे गर उमड़े आँसू नयनों में जग-जन के

तो तू कह दे : नहीं चाहिए हमको रोने वाले जनखे;

तेरी भूख, असंस्कृति तेरी, यदि न उभाड़ सके क्रोधानल,

तो फिर समझूँगा कि हो गई सारी दुनिया कायर, निर्बल ।

(क) भूखे मनुष्य को जूठे पत्ते चाटते देख कर कवि के मन में क्या विचार उठा ?

(ख) राख की ढेरी कौन हो गया है ? कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

(ग) कवि शोषित-पराजित मनुष्य को क्या कहकर प्रेरित करता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

'अनाचार के अम्बारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे ।'

(ङ) किन पंक्तियों का आशय है कि दलित-शोषित भारतीय को सहानुभूति के आँसू नहीं, व्यवस्था को बदलने वाले गुस्से की ज़रूरत है ?

अथवा

निर्मम कुम्हार की थापी से

कितने रूपों में कुटी-पिटी,

हर बार बिखेरी गई किंतु

मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी ।

आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए,

सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमके तो ढल जाए,

यों तो बच्चों की गुड़िया-सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या –

आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए,

फसलें उगतीं, फसलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है ।

सौ बार बने, सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है ।

CAREERINDIA

मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है ।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए – 'मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी' ।

(ख) मिट्टी को गुड़िया-सी भोली क्यों बताया गया है ?

(ग) मिट्टी बार-बार बनने, सँवरने और मिटने पर भी कैसी बनी रहती है ?

(घ) मिट्टी के बारे में कवि के दो कथन हैं – 'मिट्टी की हस्ती क्या' और 'मिट्टी अविनश्वर है ।' इनमें से किसी एक पर अपना मत लिखिए ।

(ङ) इस कविता में निहित मूल भाव को स्पष्ट कीजिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ज्ञान-राशि के संचित कोष ही का नाम साहित्य है । सब तरह के भावों को प्रकट करने की योग्यता रखने वाली और निर्दोष होने पर भी, यदि कोई भाषा अपना निज का साहित्य नहीं रखती तो वह, रूपवती भिखारिन की तरह, कदापि आदरणीय नहीं हो सकती । उसकी शोभा, उसकी श्रीसम्पन्नता, उसकी मान-मर्यादा उसके साहित्य पर ही अवलम्बित रहती है। जाति विशेष के उत्कर्षापकर्ष का, उसके उच्चनीच भावों का, उसके धार्मिक विचारों और सामाजिक संघटन का उसके ऐतिहासिक घटनाचक्रों और राजनैतिक स्थितियों का प्रतिबिंब देखने को यदि कहीं मिल सकता है तो उसके ग्रंथ-साहित्य ही में मिल सकता है । सामाजिक शक्ति या सजीवता, सामाजिक अशक्ति या निर्जीवता और सामाजिक सभ्यता तथा असभ्यता का निर्णायक एकमात्र साहित्य है ।

जातियों की क्षमता और सजीवता यदि कहीं प्रत्यक्ष देखने को मिल सकती है तो उसके साहित्य रूपी आईने में ही मिल सकती है । इस आईने के सामने जाते ही हमें यह तत्काल मालूम हो जाता है कि अमुक जाति की जीवनी शक्ति इस समय कितनी या कैसी है और भूतकाल में कितनी और कैसी थी। आप भोजन करना बंद कर दीजिए या कम कर दीजिए, आप का शरीर क्षीण हो जाएगा और भविष्य-अचिरात् नाशोन्मुख होने लगेगा । इसी तरह आप साहित्य के रसास्वादन से अपने मस्तिष्क को वंचित कर दीजिए, वह निष्क्रिय होकर धीरे-धीरे किसी काम का न रह जाएगा । शरीर का खाद्य भोजन है और मस्तिष्क का खाद्य साहित्य । यदि हम अपने मस्तिष्क को निष्क्रिय और कालांतर में निर्जीव-सा नहीं कर डालना चाहते, तो हमें साहित्य का सतत सेवन करना चाहिए और उसमें नवीनता और पौष्टिकता लाने के लिए उसका उत्पादन भी करते रहना चाहिए।

(क) "सब तरह के भावों को प्रकट करने वाली......... आदरणीय नहीं हो सकती" – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) किसी भी जाति-विशेष का ग्रंथ-साहित्य उसकी किन-किन परिस्थितियों को दर्शाता है और क्यों ? **2**

(ग) 'साहित्य के सतत सेवन और उसके उत्पादन से' लेखक का क्या तात्पर्य है और यह क्यों ज़रूरी है ? **2**

(घ) साहित्य को 'आईना' क्यों कहा गया है ? विवेचन कीजिए । 2

(ङ) "शरीर का खाद्य भोजन है और मस्तिष्क का खाद्य साहित्य ।" – लेखक के इस कथन से क्या तात्पर्य है ? 2

(च) साहित्य के रसास्वादन से मस्तिष्क को वंचित करने का क्या परिणाम होने का अँदेशा है ? 1

(छ) उपर्युक्त गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ज) विलोम शब्द लिखिए :
क्षीण, उत्कर्ष 1

(झ) एक उपसर्ग और एक प्रत्यय अलग कीजिए :
भोजनीय, अभाव, अवलम्बित, प्रतिबिम्ब 1

(ञ) वह निष्क्रिय होकर धीरे-धीरे किसी काम का न रह जाएगा । इस वाक्य को संयुक्त वाक्य रचना में बदलिए । 1

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग **400** शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) जनसंख्या में स्त्रियों का घटता अनुपात ।

(ख) शिक्षक-शिष्य संबन्ध : आज के नजरिये से ।

(ग) राष्ट्रहित सर्वोपरि है ।

(घ) समय : अमूल्य धन है ।

(ङ) साम्प्रदायिकता : देश की प्रगति में बाधक

4. किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए जिसमें वृक्षों की कटाई रोकने के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया हो । 5

अथवा

कल्पना कीजिए कि आपने बारहवीं कक्षा के पश्चात् हिंदी कम्प्यूटर का 'कोर्स' कर उसमें दक्षता प्राप्त कर ली है । दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों में हिन्दी कम्प्यूटर शिक्षकों के कई पद रिक्त हैं । आप शिक्षा अधिकारी को स्व-वृत्त सहित अपना आवेदन-पत्र लिखिए ।

5. रेडियो के लिए समाचार लेखन में किन बुनियादी बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? 5

अथवा

विशेष लेखन क्या है ? इसके विविध क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 × 5 = 5

(क) भारत में पहला छापाखाना कब और किस उद्देश्य से खोला गया था ?

(ख) समाचार लेखन के छह ककार कौन-कौन से हैं ?

(ग) इंटरनेट पत्रकारिता इन दिनों बहुत लोकप्रिय क्यों है ?

(घ) मुद्रित माध्यम से क्या तात्पर्य है ?

(ङ) खोजी रिपोर्ट से आप क्या समझते हैं ?

CAREERINDIA

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) सरस तामरस गर्भ विभा पर – नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर – मंगल कुंकुम सारा ।

(ख) भर गया है ज़हर से
संसार जैसे हार खाकर,
देखते हैं लोग लोगों को,
सही परिचय न पाकर,
बुझ गई है लौ पृथा की,
जल उठो फिर सींचने को ।

(ग) श्री रघुनाथ-प्रताप की बात, तुम्हें दसकंठ न जानि परी ।
तेलनि तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराय जरी ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'वसंत आया' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'राघौ ! एक बार फिर आवौ' पद के आधार पर कौशल्या की व्याकुलता का चित्रण कीजिए ।

(ग) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

फाग करहिं सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी ।।
जौं पै पियहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहिं रोस न आवा ।।
रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौं कंत छार जेउँ तोरें ।।
यह तन जारौं छारकै कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहिं मारग होइ परौं कंत धरै जहँ पाउ ।।

CAREERINDIA

अथवा

जो है वह सुगबुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब सी नमी है
और एक अजीब सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन ।

10. विष्णु खरे **अथवा** केशवदास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं **दो** प्रमुख काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **6**

अथवा

भीष्म साहनी **अथवा** पंडित चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' के जीवन तथा रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की **दो** प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) संदेश भेजते समय बड़ी बहुरिया की तथा हरगोबिन की मन:स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

(ख) "कुटज में न विशेष सौंदर्य है, न सुगंध, फिर भी लेखक ने उसमें मानव के लिए एक संदेशा पाया है ।" – इस कथन की पुष्टि करते हुए बताइए कि वह सन्देश क्या है ?

(ग) 'उसे भी मनोकामना का पीला-लाल धागा और उसमें पड़ी गिठार का मधुर स्मरण हो आया । 'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर उपर्युक्त कथन पर टिप्पणी कीजिए ।

12. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

ये लोग आधुनिक भारत के नए शरणार्थी हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर-ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है । प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है । बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए ज़रूर बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं । किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते । आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ़ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं ।

अथवा

ऐसे समय जब समाज के बहुसंख्यक लोगों का जीवन इन मानव-संबंधों के पिंजड़े में पंख फड़फड़ाने लगे, सींकचे तोड़ कर बाहर उड़ने के लिए आतुर हो उठे, उस समय कवि का प्रजापति रूप और भी स्पष्ट हो उठता है । वह समाज के द्रष्टा और नियामक के मानव-विहग से क्षुब्ध और रुद्ध स्वर को वाणी देता है । वह मुक्त गगन के गीत गाकर उस विहग के परों में नई शक्ति भर देता है । साहित्य जीवन का प्रतिबिंब रहकर उसे समेटने, संगठित करने और उसे परिवर्तित करने का अजेय अस्त्र बन जाता है ।

CAREERINDIA

13. 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूपदादा के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 6

अथवा

'खाऊ-ऊजाड़ू सभ्यता' के संदर्भ में हो रहे पर्यावरण के विनाश पर 'अपना मालवा' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : **3 + 3 + 3 = 9**

(क) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई ? उस घटना से उसके चरित्र का कौन सा रूप उभरता है ?

(ख) 'अपना मालवा' पाठ के लेखक को यह क्यों लगता है कि हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को गंदे पानी के नाले बना रही है ?

(ग) कोइयाँ किसे कहते हैं ? इसकी विशेषताएँ 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बताइए ।

(घ) 'आरोहण' कहानी में घर लौटते समय रूपसिंह को एक अजीब किस्म की लाज और झिझक क्यों घेरने लगी थी ?